बीएएनसी 103

विज्ञान स्नातक (मेजर) मानवविज्ञान

(बीएससीएफएएन)

सत्रीय–कार्य

जनवरी 2025

पाठ्यक्रम कोड : बीएएनसी 103

बीएएनसी 103: पुरातात्विक मानवविज्ञान

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मैदानगढ़ी,

नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम संदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बीएएनसी–103: पुरातात्विक मानवविज्ञान** नामक कोर पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत अधिभार है।

सत्रीय कार्य- I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में प्रयोगिकी / परियोजना मैनुअल पर आधारित प्रश्न हैं। इन प्रश्नों से आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि किसी परियोजना (प्रोजेक्ट)सिनोप्सिस का निर्माण कैसे करें और फील्ड परिस्थितियों में अपने ज्ञान, उपकरणों(टूल)व तकनीकों का प्रयोग परीक्षण को कैसे लागू करें।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम संदर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

पूर्ण किये गये असाइमेंट को जमा करना:

प्रवेश सत्र	**जमा करने की अंतिम तिथी**	**जमा करने का स्थान**
जनवरी 2025 में नामांकित शिक्षार्थियों के लिए	30 सितंबर 2025	शिक्षार्थी सहायता केंद्र

सत्रीय कार्य जमा करने के लिए अपने शिक्षार्थी सहायता केंद्र पर जाएँ और जमा किए गए सत्रीय कार्यों की शिक्षार्थी सहायता केंद्र से रसीद प्राप्त करें और उसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक जिरॉक्स प्रति (फोटोकॉपी) अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद शिक्षार्थी सहायता केंद्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर जोर दें। मूल्यांकन के पश्चात, शिक्षार्थी सहायता केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतिकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ !

मानवविज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ ,नई दिल्ली

BANC 103: पुरातात्विक मानवविज्ञान

अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य

(टीएमए)

कोर्स कोड: बीएएनसी 103

असाइनमेंट कोड: बीएएनसी 103/ASST/TMA/ जनवरी 2025

कुल अंक: 100

निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और तदनुसार उत्तर दें। सत्रीय कार्य में तीन अनुभाग हैं। आपको सभी अनुभागों से सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में प्रत्येक के बारे में 500 शब्दों में उत्तर दें। 20x2= 40

क. पुरातत्व मानवविज्ञान क्या है? इसके दायरे पर चर्चा कीजिए।

ख. पुरातत्व अध्ययनों में अन्वेषण क्या है? अन्वेषण की विभिन्न विधियों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित में से किन्हीं दो के बारे में 250 शब्दों में उत्तर दें। 10X2 = 20

क. अत्तिरमपक्कम

ख. उपयुक्त आरेखों के साथ विभिन्न निम्न पुरापाषाणकालीन पत्थर के औजारों का वर्णन कीजिए।

ग. दक्षिण भारत की महापाषाण संस्कृति पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। 2X5 = 10

क. तीन आयु प्रणाली

ख. उत्खनन

ग. कार्बन डेटिंग विधि

घ. नृवंशविज्ञान पुरातत्व

इ. ओल्डुवाई गॉर्ज

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए । 10X3=30

क. उपयुक्त आरेखों के साथ किन्हीं दो पत्थर के औजार बनाने की तकनीकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

ख. उपयुक्त आरेखों के साथ विभिन्न कोर/आन्तरक औजारों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

ग. ब्लेड उपकरण क्या है? विभिन्न ब्लेड उपकरण प्रकारों का वर्णन कीजिए।